NCERT
National Council Of Educational Research And Training

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 12-एक फूल की चाह

IndCareer Schools

indCareer indCareer indCareer

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 12-एक फूल की चाह

Class 9: हिंदी पाठ 12 solutions. Complete Class 9 हिंदी पाठ 12 Notes.

NCERT Solutions for 9th Class हिंदी : पाठ 12-एक फूल की चाह

NCERT 9th हिंदी पाठ 12, class 9 हिंदी पाठ 12 solutions

पृष्ठ संख्या: 109

प्रश्न अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए **-**

(क**)** कविता की उन पंक्तियों को निखिए, जिनमें निम्नलिखित अर्थ का बोध होता है**-**

1. सुखिया के बाहर जाने पर पिता का हृदय काँप उठता था।

उत्तर

मेरा हृदय काँप उठता था

बाहर गई निहार उसे

यही मनाता था कि बचा लूँ

किसी भाँति इस बार उसे।

2. पर्वत की चोटी पर स्थित मंदिर की अनुपम शोभा।

उत्तर

ऊँचे शैल-शिखर के ऊपर

मंदिर था विस्तीर्ण विशाल

स्वर्ण कलश सरसिज विहसित थे

पाकर समुदित रवि कर जाल।

3. पुजारी से प्रसाद फूल पाने पर सुखिया के पिता की मन स्थिति।

उत्तर

भूल गया उसका लेना झट

परम लाभ-सा पाकर मैं।

सोचा- बेटी को माँ के ये

पुण्य-पुष्प दूँ जाकर मैं।

NCERT 9th हिंदी पाठ 12, class 9 हिंदी पाठ 12 solutions

4. पिता की वेदना और उसका पश्चाताप।

उत्तर

अंतिम बार गोद में बेटी

तुझको ले न सका मैं हा

एक फूल माँ का प्रसाद भी

तुझको दे न सका मैं हा

(ख) बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की?

उत्तर

बीमार बच्ची ने देवी माँ के प्रसाद का एक फूल की इच्छा प्रकट की।

(ग) सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया?

उत्तर

सुखिया के पिता पर मंदिर की पवित्रता भंग करने का आरोप लगाकर दंडित किया गया।

(घ) जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया?

उत्तर

जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को राख की ढेरी के रूप में पाया।

(ङ) इस कविता का केन्द्रिय भाव अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर

इस कविता का केन्द्रिय भाव छुआछूत है। यह मानवता के नाम पर कलंक है। जन्म के आधार पर किसी को अछूत मानना एक अपराध है। मंदिर जैसे पवित्र स्थानों पर अछूत होने पर किसी के प्रवेश पर रोक लगाना सर्वथा अनुचित है। कवि चाहता है कि इस प्रकार की सामाजिक विषमता का शीघ्र अंत हो। सभी को सामाजिक एवं धार्मिक स्वतंत्रता प्राप्त हो।

(च) इस कविता में से कुछ भाषिक प्रतीकों बिंबों को छाँटकर लिखिए –

उदाहरण : अंधकार की छाया

(i) ..... **(ii) .....**

(iii) ..... **(iv) .....**

(v) .....

उत्तर

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-12-ek-phool-ki-chaah/

(च) (i) निज कृश रव में

(ii) स्वर्ण-घनों में कब रवि डूबा

(iii) जलते से अंगारे

(iv) विस्तीर्ण विशाल

(v) पतित-तारिणी पाप हारिणी

NCERT 9th हिंदी पाठ 12, class 9 हिंदी पाठ 12 solutions

पृष्ठ संख्या: 110

2. निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट करते हुए उनका अर्थ-सौंदर्य बताइए **–**

(क) अविश्रांत बरसा करके भी

आँखे तनिक नहीं रीतीं

(ख) बुझी पड़ी थी चिता वहाँ पर

छाती धधक उठी मेरी

(ग) हाय! वही चुपचाप पड़ी थी

अटल शांति-सी धारण कर

(घ) पापी ने मंदिर में घुसकर

किया अनर्थ बड़ा भारी

उत्तर

(क) आँखें हमेशा रोती रहती हैं। उनसे आँसू रूपी पानी बरसता रहता है। आँसू कभी समाप्त नहीं होते हैं। इन पंक्तियों में पिता के लगातार निरंतर रोने की दशा का वर्णन किया गया है।

(ख) सुखिया की चिता की आग अब बुझ गई थी। लेकिन उसे देखकर पिता के दिल में दुख से उपजी वेदना की चिता जलने लगी। अर्थ की सुंदरता यह है कि एक चिता बाहर जलकर अभी बुझी है और दूसरी चिता

दिल के अंदर जलनी आरंभ हो गई है। इसमें पिता के दुख और उससे उत्पन्न वेदना का वर्णन किया गया है।

(ग) चंचल सुखिया बीमारी से पीड़ित होकर ऐसे चुपचाप लेटी हुई थी मानो उसने अटल शांति धारण कर ली हो। यहाँ नटखट बालिका का शांत भाव से पड़े रहने की दशा का वर्णन है।

(घ) मंदिर में आए लोगों ने जब सुखिया के पिता को मंदिर में देखा, तो उन्हें बड़ा गुस्सा आया। लोगों को मंदिर में एक अछूत का आना पसंद नहीं आया। वे एक अछूत का मंदिर में इस प्रकार चले आने को अनर्थ मानने लगे।

NCERT 9th हिंदी पाठ 12, class 9 हिंदी पाठ 12 solutions

Chapterwise NCERT Solutions for Class 9 हिंदी :

- पाठ 1-धूल
- पाठ 2-दुःख का अधिकार
- पाठ 3-एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा
- पाठ 4-तुम कब जाओगे, अतिथि
- पाठ 5-वैज्ञानिक चेतना के वाहक : चन्द्र शेखर वेंकट रामन्
- पाठ 6-कीचड़ का काव्य
- पाठ 7-धर्म की आड़
- पाठ 8-शुक्र तारे के समान
- पाठ 9-रैदास
- पाठ 10-दोहे
- पाठ 11-आदमी नामा
- पाठ 12-एक फूल की चाह
- पाठ 13-गीत – अगीत
- पाठ 14-अग्नि पथ
- पाठ 15-नए इलाके में ... खुशबू रचते हैं हाथ

https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-9th-class-hindi-chapter-12-ek-phool-ki-chaah/

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc.Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices;collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education.In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education.Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. Visit the Official NCERT website to learn more.